कार्यालय प्राचार्य, शासकीय महाविद्यालय गुरूर

(पूर्व नाम – शासकीय नवीन महाविद्यालय गुरूर)

जिला – बालोद, छ.ग, भारत

Ph No : 07749 – 265461 Email : gurgovernmentcollege@gmail.com Website : http://gcgurur.org.in/

Course Outcome

कक्षा –एम. ए. (भूगोल) प्रथम सेमेस्टर

प्रथम प्रश्न–पत्र – भू – आकृति विज्ञान

इकाई	अध्ययन का उद्दे य	लाभ
	इकाई – 01	
भू–आकृति विज्ञान	एम. ए. भूगोल के छात्रों को भू–आकृति विज्ञान की प्रकृति एंव विशय क्षेत्र के साथ – साथ पृथ्वी की आंतरिक संरचना के विशय में आधारभूत सिद्धोतों की जानकारी प्रदान कराना, धरातल में भू–स्वरूपों का निर्माण संचालन से निर्मित होती हैं। जिसका ज्ञान छात्रों के लिए अति महत्वपूर्ण हो जाती हैं । इससे संबंधी Topics – भू–संचालन, हिमालय पर्वत का विका ा, समस्थिति, भू – सन्नति, प्लेट – टेक्टोविड, पर्वत निर्माण कार्य, भूकम्प व ज्वालामुखी का ज्ञान आव यक हो जाता है।	
	इकाई –02	
	छात्रों को भू – तल के स्थलस्वरूपों के निर्माण में सहायक बाहय कारकों का ज्ञान कराना जिनके बिना स्थल रूपों का विकास संभव नही हैं। जिनमें अवाच्छादन, अपक्षय अपरदन Climatic Geomorphology and morphogenetic riqions, Slope evolution Prid semi acid and kast lopography बहुत ही Important हैं। जिसका ज्ञान छात्रों के लिए आव यक हो जाता हैं।	
	इकाई – 03	
	भू – आकृति विज्ञान में छात्रों को भौगोंलिक चक्र संबंधित विचलनों के परिकल्पना, गति ील हिमानी व परि हिमानी प्रक्रय तथा निर्मित स्थल स्वरूपों का ज्ञान कराना ।	
	इकाई –04	
	छात्रों को भ – आकृति विज्ञान के व्यावहारात्मक पक्षों का भी ज्ञान कराना जिसकी सहायता में वे अपदा प्रबंधन खनन, नगरीकरण, इंजियरिंग क्षेत्रों में अवसर ढूढ़ सकतें हैं।	

Course Outcome

कक्षा –एम. ए. (भूगोल) प्रथम सेमेस्टर

द्वितीय प्रश्न–पत्र – जलवायु विज्ञान

इकाई	अध्ययन का उद्दे य	**लाभ**
	इकाई – 01	
जलवायु विज्ञान	मानव के लिए जलवायु का बहुत ही अधिक महत्व हैं जिसका अध्ययन भगोल के छात्रों के लिए बहुत ही अधिक महत्वपूर्ण हो जाता हैं । जलवायु के तत्वों का अध्ययन हम जलवायु विज्ञान में छात्रों को काराया जाता है। जिसमें Composition of atomosphere Insolation heat Balance of the earth, stabilling and inslasbing, green house effect के साथ ही Climalology की Nature और Scope का भी ज्ञान कराया जाता है।	
	इकाई –02	
	छात्र – छात्राओं को Jet Stream general circulation in the atmosphere Acid Rain Concept of air Masses and frot. EL Nino and Lanino monsoon wirds and cyclones. का भी जलवायु विज्ञान के अंतर्गत अध्ययन कराया जाता है। इससे मानव जाति प्रभावित है।	
	इकाई – 03	
	छात्रो को कोपेन व थार्नवेट के वि व जलवायु व वर्गीकरण के अलावा वि व के प्रमुख जलवायु का भी ज्ञान कराना जिसमें Tropical temperate, deset and mountan climate का ज्ञान कराना।	
	इकाई –04	
	छात्र – छात्राओं को जलवायु विज्ञान के अंतर्गत जलवायु परिवर्तन, भू – मण्डलीय तापन के अध्ययन के साथ ही साथ व्यावहारिक जलवायु विज्ञान का भी अध्ययन कराया जाता है।	

Course Outcome

कक्षा –एम. ए. (भूगोल) प्रथम सेमेस्टर

तृतीय प्रश्न–पत्र – भौगोलिक चिन्तन

इकाई	अध्ययन का उद्दे य	**लाभ**
	इकाई – 01	
भौगोलिक चिन्तन	भौगोलिक चिन्तन विशय के अंतर्गत भुगोल के विद्यार्थियों को भेगोल के विशय क्षेत्र में आनें वाले विशय सामग्री का ज्ञान कराया जाता है। एवं विज्ञान के वर्गीकरण मे भूगोल का स्थान, परिभाशा, प्रकृति, भुगोल संबंध का विज्ञान, क्षेत्रिय विभेदीकरण का ज्ञान भी छात्रों को कराया जाता है। पर्यावरण से मानव बहुत ही अधिक प्रभावित रहा जिसका अध्ययन भी छात्रों को इसके अंतर्गत कराया जाता है। जिसमें भूगोल और पर्यावरणवाद मानव व प्रकृति का अंतर्सबंध, भूगोल में द्वैतवाद, प्रादे िक अवधारणा प्रमुख है।	
	इकाई –02	
	छात्रों को पिछलें 15 सेंचुरी में भैगोलिक ज्ञान के विकास में ग्रीक और रोमन विद्वानों के योगदान, अरब व प्राचीन भारतीय साहित्य के योगदान के अलावा, अंधकार युग, व आधुनिक भूगोल के विकास में जर्मन, फ्रेंच, ब्रिटि ा, अमेंरिकन व रूस कें योगदान का छात्रों को ज्ञान कराना।	
	इकाई – 03	
	छात्रों को वैज्ञानिक द्वारा व उनके मार्गों Inductive, deductive के अलावा, परिस्थितिकीय प्रणाली नियम व theories भूगोल में प्रतिरूप मात्रात्मक क्रांति एवं प्रत्यक्षवाद का गहन अध्ययन कराना ।	
	इकाई –04	
	उपराक्त महत्वपूर्ण Topics के अलावा भूगोल के छात्रों को भारत में भूगोल में प्रत्यक्षवाद व्यवहारवाद मानवजावाद बदलतें प्रतिमान, भूगोल में अतिवाद तथा भूगोल का भविश्य किस प्रकार का होगा, इस सभी बिन्दुओं का छात्रो को अध्ययन कराना आव यक हो जाता हैं ।	

Course Outcome

कक्षा –एम. ए. (भूगोल) प्रथम सेमेस्टर

चतुर्थ प्रश्न–पत्र – भारत का भूगोल

इकाई	अध्ययन का उद्दे य	**लाभ**
	इकाई – 01	
भारत का भूगोल	भारत का भूगोल बहुत ही महत्वपूर्ण विशय जिसमें छात्रों को भारत के भौतिक और Biological Elements, भूगर्भिक संरचना उच्चावच एवं मिट्टियों का विस्तृत अध्ययन कराया जाता है।	
	इकाई –02	
	भारत में पायी जाने वाली कृशि उनकी प्रमुख वि ोशताएं, समस्याओं का ज्ञान कराना । प्रमुख कृशि – गेहूँ, चावल, कपास, गन्ना, तिलहन, चाय व कॉफी की भौगोलिक वि ोशताओं का ज्ञान कराना है। साथ ही कृशि प्रदे ा, हरित क्रांति व Agro-climatic regions का भी छात्रों को ज्ञान कराना है।	
	इकाई – 03	
	भारत में पाये जाने वाले भाक्ति के संसाधन जैसे कोयला, पेट्रोलियम, प्राकृतिक गैस, जल विद्युत और परमाणु ऊर्जा के वितरण प्रतिरूप का भारत के भूगोल के अंतर्गत छात्रों को ज्ञान कराना और खनिज संसाधन के अंतर्गत भारत में पायें जाने वाले प्रमुख खनिज लौह अयस्क मैगनीज, बाक्साइड के उत्पादन व वितरण के साथ ही भारत के प्रमुख उद्योगों के विकास व वितरण का भी ज्ञान कराया जाता है।	
	इकाई –04	
	भौतिक व सांस्कृतिक तथ्यों के अलावा भारत के भूगोल विशय में प्रमुख विद्वानों के द्वारा किये गये प्रादे िाक विभाजन का अध्ययन कराना व छ.ग. राज्य की भौतिक व सांस्कृतिक तथ्यों का भी ज्ञान कराना है।	

Course Outcome

कक्षा –एम. ए. (भूगोल) प्रथम सेमेस्टर

चतुर्थ प्रश्न–पत्र – Advance भूगोल

इकाई	अध्ययन का उद्दे य	**लाभ**
	इकाई – 01	
	छात्रों को Geography and Diagrams के अंतर्गत triarg, Logarithmic and Semilogathmic graphs Scatter Graphs, Climalographs, Proportional Circles Spheres and Cubes की रचना निर्माण, वि ोशताएं व उपयोग का ज्ञान कराना।	
	Thabatic Maps के अंतर्गत chorapleth Maps, Insolines, Flow Maps, Insolines and Class Inlarvals, Profiles Slope analysis. Altimetric and clinographic Curves, Block Diagrams का भी निर्माण विधि, वि ोशताएं व उपयोगिता का ज्ञान कराना है।	

Course Outcome

कक्षा –एम. ए. (भूगोल) द्वितीय सेमेस्टर

प्रथम प्रश्न–पत्र – आर्थिक भूगोल एवं प्राकृतिक संसाधन प्रबंधन

इकाई	अध्ययन का उद्दे य	**लाभ**
	इकाई – 01	
आर्थिक भूगोल एवं प्राकृतिक संसाधन प्रबंधन	एम.ए. भूगोल के छात्रों को भूगोल की प्रकृति एवं विशय क्षेत्र आधारभूत संकल्पनाएं का ज्ञान कराना यह बहुत ही हवरूतृत विशय है जिससे बहुत ही बड़े भाग के आथिक क्रियाओं का समावेश किया गया है।	
	इकाई –02	
	इसके अंतर्गत आर्थिक क्रियाओं के वर्गीकरण संसाधनों के प्रकार, संसाधन व जनसंख्या में संबंध, आर्थिक विकास, संसाधनो के अत्याधिक उपयोग व उससे होने वाले नुकसान का ज्ञान कराना जो कि बहुत ही आवश्यक है।	
	इकाई – 03	
	छात्रों को विशय के अंतर्गत विश्व में पाये जाने वाले प्रमुख प्राकृतिक संसाधन जैसे – Lard, मिट्टियाँ, Biotic resources, Water resources mineral and energy resources, Ocearic resources का अध्ययन कराया जाता है जो कि भूगोल के विद्यार्थियों के लिए बहुत ही आवश्यक है।	
	इकाई –04	
	कच्चे माल का उद्योग में सीधा संबंध होता है। इस कारण से छात्रों को विशय में उद्योग के वर्गीकरण, सथानीकरण के सिद्धांत, प्रमुख ङ्योग, जैसे इस्पात, एल्युमिनियम, रसायन आदि के स्थानीकरण व वितरण का ज्ञान कराना भी Important होता है।	
	इकाई –05	
	रसायनो के अत्याधिक दोहन से संरक्षण व प्रबंधन जैसी बाते भी सम्मुख आयी एवं संसाधन संरक्षण से संबंधित नयी विधियां नीतियां सतत् विकास की आवधारणाएं सामने आयी है। जिसका ज्ञान कराना अति महत्वपूण हो जाता है।	

Course Outcome

कक्षा –एम. ए. (भूगोल) द्वितीय सेमेस्टर

द्वितीय प्रश्न–पत्र – समुद्र विज्ञान

इकाई	अध्ययन का उद्दे य	**लाभ**
	इकाई – 01	
समुद्र विज्ञान	समुद्र विज्ञान भौतिक भूगोल की बहुत ही महत्वपूर्ण भााखा है। जिसमें महासागरो के हर पहलुओं को समाहित किया गया है। जिसमें Distribution of lard and water, major features of Ocean basins, marine Properties, Seawater का ज्ञान छात्रों को कराया जाता है।	
	इकाई –02	
	महासागरो का वायुमण्डल के साथ घनिश्ठ संबंध होता है। क्योकि वायुमण्डलीय परिसंचरण में सागरो का भी बड़ा योगदान रहता है। साथ ही Surfece currents, thermohaline weres and lidies का ज्ञान समुद्र विज्ञान विशय के अंतर्गत महत्वपमूर्ण हो जात है।	
	इकाई – 03	
	छात्रों को महासागरों में पाये जाने वाले Marine-biological Enviroment, chemical bio-geochemical cycle in the ocean. Planklon, renklon food, minerals resources of the sea. major marine environments barrio island. Continerlal shelf. Slope Floor of the Ocean Basins. का गहन अध्ययन कराया जाता है।	
	इकाई –04	
	महासागरीय पर्यावरण का मानव के क्रियाकलापों पर गहरा प्रभाव पड़ता है। मानव समुद्रीय संसाधन का उपभोग भी करता आ रहा है। अपने – अपने देशों के अपने नये कानून है। जिसके आधार पर वें महासागरीय संसाधनों का उपयोग करतें है। जिनका ज्ञान भी छात्रों को कराना है।	

Course Outcome

कक्षा –एम. ए. (भूगोल) द्वितीय सेमेस्टर

तृतीय प्रश्न–पत्र – प्रादेशिक विकास एवं नियोजन

इकाई	अध्ययन का उद्दे य	**लाभ**
इकाई – 01		
प्रादेशिक विकास एवं नियोजन	छात्र – छात्राओं को प्रादेशिक नियोजन, परिभाशा, क्षेत्र, विकास व प्रादेशिकवाद आदि का ज्ञान कराना जिससे छात्रों के मन – मस्तिक में प्रोदशिक विकास की भावना उजागर हो सके।	
इकाई –02		
	छात्रों को प्रदेशों के प्रकार के आलावा विभिन्न विद्वानों के द्वारा प्रदान किये गये संकट पता जैसे :– Central Place theory, Concept, of core and Periphery friendmanns model of spatial Organization and Economic qrouter का ज्ञान कराना भी है।	
इकाई – 03		
	छात्रों को प्रोदशिक विकास की उपागम व रणनीति के संबंध में जानकारी प्रदान कराना।	
इकाई –04		
	छात्र – छात्राओं को उपरोक्त तथ्यों के आलावा भारत में प्रादेशिक नियोजन, प्रादेशिक असंतुलन, पंचवर्शिय योजनाएं, Center State relation Sand Multilevel Planning, Plannig for Special areas. Deought Prone Areas. River Basins. आदि के संबंध में ज्ञान प्रदान कराना है।	

Course Outcome

कक्षा –एम. ए. (भूगोल) द्वितीय सेमेस्टर

चतुर्थ प्रश्न–पत्र – सामाजिक भूगोल

इकाई	अध्ययन का उद्दे य	**लाभ**
	इकाई – 01	
सामाजिक भूगोल	छात्र – छात्राओं को सामाजिक भूगोल के अर्थ – परिभाशा विज्ञान के साथ संबंध, उपागम तथा विकास का अध्ययन कराया जाता हैं ।	
	इकाई –02	
	छात्र – छात्राओं को सामाजिक भूगोल के अंतर्गत समाज के निर्मांण हेतु पर्यावरण, Docial Stratification, cast and class social organization and groups. Religion of india. भारत में सामाजिक , सांस्कृतिक प्रदेशों के उद्भव की जानकारी का ज्ञान भी प्रदान कराना है।	
	इकाई – 03	
	सामाजिक भूगोल में छात्रों को समाजिक खुशहाली अर्थ, सामाजिक खुशहाली के सूचक Quality of life, pattern and Bases of Rural and Urban Society. की जानकारी के साथ ही महिलाओं से संबंधि अभाव और भेदभाव का मुद्दा भी सामाजिक भूगोल के अंतर्गत ज्ञान कराया जाता है।	
	इकाई –04	
	यह बहुत ही विस्तृत विशय है इसमें विश्व के प्रमुख सांस्कृतिक प्रदेशों के ज्ञान के साथ ही Social development Plannig, Social Planning in india, Review of five year plans Strategies to improve social well-being in tribal,hill, drought and flood prone areas etc. का अध्ययन कराया जाता है।	

Course Outcome

कक्षा –एम. ए. (भूगोल) तृतीय सेमेस्टर

प्रथम प्रश्न–पत्र – Practical II Map Projections Interpreration

इकाई	अध्ययन का उद्दे य	**लाभ**
	इकाई – 01	
Practical II Map Projections Interpreration	छात्र – छात्रों को मानचित्र प्रक्षेप की उपयोगिता व निर्माण विधि का ज्ञान कराना जिसकी सहायता से वे आसानी से विश्व के किसी भी क्षेत्र का प्रक्षेप निर्माण कर सकते है।	
	इकाई –02	
	छात्रों को Geological Map की व्याख्या व निर्माण विधि ज्ञान भी कराया जाता है।	
	इकाई – 03	
	छात्रों को तल मापन की विधि में Dumpy Level व Theodohite surveying Methods का ज्ञान कराया जाता है।	
	इकाई –04	
	प्रायोंगिक कार्य में स्थलाकृतिक मानचित्र में रूढ़ चिन्हो का प्रयोग कर व्याख्यात्मक वर्णन का ज्ञान भी प्रदान कराया जाता है।	

Course Outcome

कक्षा –एम. ए. (भूगोल) तृतीय सेमेस्टर

द्वितीय प्रश्न–पत्र – अधिवास Geography

इकाई	अध्ययन का उद्दे य	**लाभ**
इकाई – 01		
अधिवास भूगोल	अधिवास भूगोल सांस्कृतिक भूगोल की एक महत्वपूर्ण शाखा है। जिसमें छात्रों को अधिवास भूगोल की अर्थ, उद्देश्य व विशय क्षेत्र का अध्ययन कराया जाता है।	
इकाई –02		
	इसके अंतर्गत ग्रामिण अधिवास का निवास, वितरण, प्रकार व प्रतिरूप किस प्रकार है इसका ज्ञान कराना, भी शामिल है।	
इकाई – 03		
	इसमें urban settlements के evolution व growth, Geographycal setting of urbal centre, site, situation and location का भी ज्ञान कराना ।	
इकाई –04		
	इसके अलावा विद्वानों के द्वारा प्रदान किये गये सिद्धांत जैसे Rank size – Relationship cities as central places central place theory. Growth center theory. का भी ज्ञान कराना।	
	अधिवास भूगोल में city- countey. Relationship, umland, Rural- urban fringe. area का भी ज्ञान छात्र – छात्राओं को कराना, जो कि बहुत ही महत्वपूर्ण है।	

Course Outcome

कक्षा –एम. ए. (भूगोल) तृतीय सेमेस्टर

तृतीय प्रश्न–पत्र – जैन भूगोल और पारिस्थितिक तंत्र

इकाई	अध्ययन का उद्दे य	**लाभ**
	इकाई – 01	
जैन भूगोल और पारिस्थितिक तंत्र	छात्र – छात्राओं को जैन भूगोल की परिभाशा विशय क्षेत्र, पर्यावरण, Habilat and Plant animal association तथा Biome के प्रकार का ज्ञान कराना ।	
	इकाई –02	
	छात्रों को वनस्पत्ति भूगोल के तत्व व वनस्पत्तियों के प्रकार व वितरण के संबंध में जानकारी प्रदान कराना ।	
	इकाई – 03	
	Plant Succession in newly formad land forms Zoogeography and its Enviromental Relationship का ज्ञान कराना क्योकि विशय में इसका बहुत ही महत्व है।	
	इकाई –04	
	साथ ही छात्रों को Ecosystem concept and components Ecosystem form and function tropi level ecological pyramids, ecological niche, energy and nutrients in the ecosystem का ज्ञान कराना ।	
	साथ ही विश्व के मुख्य स्थलीय पारिस्थितिक तंत्र जैसे – Agriculture, formers, grassland and desert व population growth and Enviroment के संबंध में छात्रों को ज्ञान प्रदान कराना ।	
	विशय के अंतर्गत छात्रों को Biodiversity and its conservation, Preservation and conservation of the ecosystem though resource management के साथ हि Enviroment laws in india. Enviroment Presentation act के संबंध में ज्ञान कराना ।	

Course Outcome

कक्षा –एम. ए. (भूगोल) तृतीय सेमेस्टर

चतुर्थ प्रश्न–पत्र – Research methodology

इकाई	अध्ययन का उद्दे य	**लाभ**
	इकाई – 01	
Research methodology	छात्र – छात्राओं को शोध के महत्वपूर्ण पहलुओं जैसे Research design formulating hypothesis, Research Problams के संबंध में जानकारी प्रदान कराना ताकि छात्र बड़ी आसानी से शोध को समझ सकें।	
	इकाई –02	
	छात्रों को Research के समय आंकड़ों की प्राप्ति विधियों का ज्ञान कराना जिनमें Questinaire schedule and interview, sampling, methods size of sample का ज्ञान प्रमुख है।	
	इकाई – 03	
	साथ ही छात्रों को Data Analysis, Processing. Ediling, coding classification and labulation Analysis – Preasurement of central tendency, dispersion, corvation का भी ज्ञान कराना है, क्योकि यह शोध के महत्वपूर्ण चरणों में से एक है।	
	इकाई –04	
	छात्रों को Research Report के Steps, Leyout एवं रिपोर्ट प्रकार का भी ज्ञान कराया जाता है।	

H. O. D.
Department of Geography
Government College Gurur
Dist. Balod (C.G.)

Co-ordinator
IQAC
Government College Gurur
Dist. Balod (C.G.)

Principal
Govt. College, Gurur
Dist. - Balod (C.G.)